सफलता की कहानी...

नैनवा क्रय-विक्रय सहकारी समिति की विकास गाथा

कुशल प्रबंधन से किसी भी सहकारी समिति में नई जान फूंकी जा सकती है। एक समय बंद होने के कगार पर खड़ी बून्दी जिलें की नैनवां क्रय विक्रय सहकारी समिति के प्रबंधन के एक सही निर्णय ने समिति को नया जीवन प्रदान कर दिया। वर्ष 1981 में पंजीकृत नैनवां क्रय-विक्रय सहकारी समिति वर्ष 1997-98 में 17.64 लाख की हानि के साथ आर्थिक व व्यापारिक रूप से पिछडकर विभाग द्वारा अवसायन की रहा की ओर अग्रसर हो गई थी। किन्तु तत्कालीन ईकाई अधिकारी श्री सत्यवीर सिंह ने संकट मोचक की भूमिका निभाते हुए समिति के एक प्लॉट को विक्रय करने हेतु विभागीय स्वीकृति प्राप्त की तथा प्लॉट विक्रय से प्राप्त राशि से 11 लाख एक हजार रू. केन्द्रीय सहकारी बैंक बून्दी की बकाया लिमिट 17 लाख 64 हजार रुपए के पेटे एक मुश्त समझौता योजना में चुकारा किया गया। समिति के कुशल प्रबंधन द्वारा अनावश्यक खर्चो व स्टॉफ में कमी करके तथा कार्मिकों की भरपूर मेहनत व लगन के कारण समिति ने उत्तरोत्तर प्रगति की है। वर्ष 1995-96 में समिति की व्यक्तिगत सदस्यों की हिस्सा राशि केवल एक लाख 62 हजार थी जो वर्तमान में 2844 व्यक्तिगत सदस्य संख्या के साथ 9 लाख 12 हजार रुपए हो गई है। समिति की कुल हिस्सा पूंजी वर्तमान में 14 लाख 29 हजार रुपए हैं। समिति द्वारा वर्ष 2006-07 में 37 लाख 70 हजार रुपए का लाभांश वितरण किया गया तथा प्रतिवर्ष लाभांश वितरण किया जा रहा है। वर्ष 2012-13 में 28.84 लाख का लाभांश वितरण किया गया है तथा वर्ष 2013-14 का 14.43 लाख का लाख का लाभांश वितरण प्रस्तावित है। समिति के पास वर्तमान में ग्राम देई में तीन विक्रय केन्द्र है जिनपर कृषि आदान एवं उपभोक्ता वस्तुओं का विक्रय किया जाता है तथा सामुदायिक चिकित्सालय परिसर में मेडिकल शॉप चल रही है। समिति के पास वर्तमान में 500 एमटी के दो, 250 एमटी के तीन व 100 एमटी के दो गोदाम है। समिति की भण्डारण क्षमता का पूरा उपयोग हो रहा है। समिति ने वर्ष 2014-15 में 29 करोड़ 19 लाख के विरूद्व 16 करोड़ 49 लाख रुपए से अधिक का व्यवसाय किया जा चुका है। उल्लेखनीय है कि समिति द्वारा निजी फण्ड से कृषि उपज की वाणिज्यक खरीद का कार्य भी किया जा रहा है जिससे सदस्यों को उनकी उपज का सही मूल्य मिल रहा है। इससे समिति का व्यवसाय भी बढ रहा है। बुदी जिला प्रभारी श्री महेन्द्र सिंह राजावत ने समिति का अवलोकन करने के बाद बताया कि समिति के प्रति क्षेत्र के सदस्यों का विश्वास है और यही कारण है कि समिति दिन प्रतिदिन प्रगति की ओर अग्रसर है। समिति में मुख्य कार्यकारी के पद पर समिति के ही कार्मिक श्री कमलेश कुमार जो कि दिनांक 30.9.2000 से 16.5.2005 तक तथा 24.6.2006 से लगातार कार्यरत है। समिति में उनके अलावा दो लिपिक, दो सैल्समेन व दो चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी कार्यरत है जिनके सम्मिलित अथक प्रयासों से समिति आज सफलता के मुकाम पर है।